जा रहे हो तो जाओ ब्रज छोड़ कर | by Shri Rammohan Ji Maharaj

मोह में मथुरा चल दिए छोड़ ब्रज गोकुल की गली
दो रथ की पहिया को पकड़ के राधा यूँ कहने लगी
गर मैं ऐसा जानती की प्रीत किये दु:ख होये
तो नगर ढिंढोरा पीटती की प्रीत ना करियो कोय

जा रहे हो तो जाओ ब्रज छोड़ कर सबका दिल तोड़ कर
प्रेम ब्रिज सा कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ .....

ये लताए कदम्ब की ये डालियाँ
तेरे बचपन की साथी हैं सांवरिया
कुञ्ज गलियां कहानी तेरी गाये रही कान्हा तेरी गाये रही
ऐसी गलियां कन्हैयाँ नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ .....

लेके ग्वालो को घर में आना तेरा
घर के छींके से माखन चुराना तेरा
स्वाद माखन का जैसा ब्रिज में मिला तुझको ब्रज में मिला
स्वाद ऐसा कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ .....

कितनी फोड़ी गगरिया पनघट पे
चीर किसके बचे श्याम प्यारे कहो
तेरे उधमों को जिसने हंस के सहा कान्हा हंस के सहा
ऐसे प्रेमी कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ .....

प्रेम करके दीवाना बना के हमें
छोड़ जाते हो किसके सहारे कहो
तेरे मुरली के जैसे हम दीवाने हुए
ऐसे पागल कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%93-%e0%a4%ac%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%9b%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95/